TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

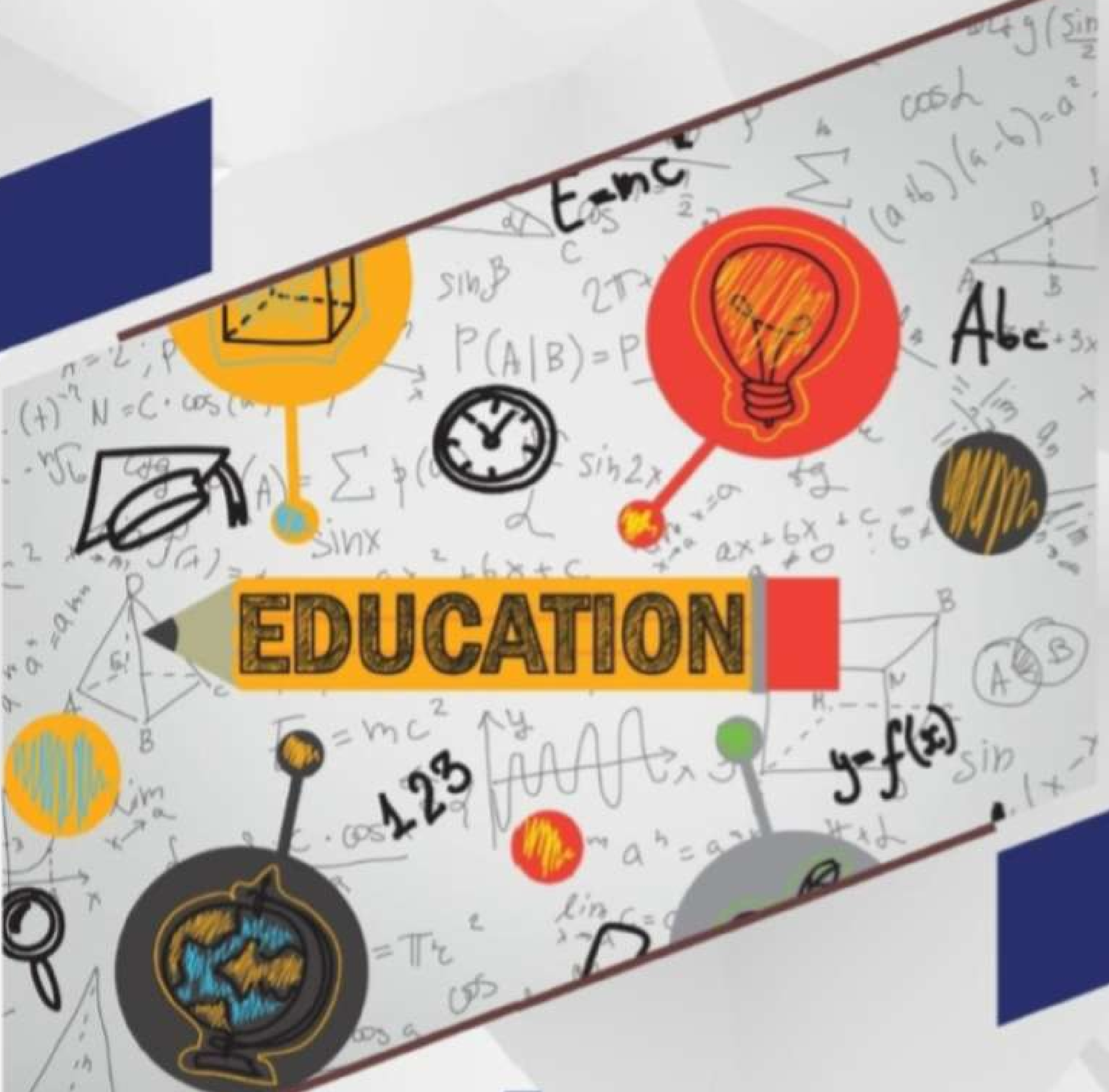

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

22 जुलाई 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जो व्यक्ति शक्ति न होने पर भी मन में हार नहीं मानता

उसे संसार की कोई भी ताकत परास्त नहीं कर सकती ।

चाणक्य

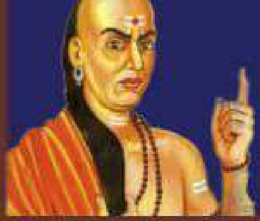

राकेश कुमार

मधु प्रिया

राष्ट्रीय झंडा अंगीकार दिवस 22 जुलाई

आज भारत के गौरव, तिरंगे का अंगीकरण दिवस है। 22 जुलाई 1947 में भारतीय संविधान सभा की बैठक में तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया था, जो 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से भारत की स्वतंत्रता के कुछ ही दिन पहले हुई थी। तिरंगे का निर्माण करने वाले शख्स का नाम पिंगली वेंकैया है।1921 में पिंगली वेंकैया ने ध्वज का निर्माण किया था। भारत के लिए एक बेहतर ध्वज का निर्माण करना इतना भी आसान नहीं था। पिंगली वेंकैया ने साल 1916 से 1921 तक करीब 30 देशों के राष्ट्रीय ध्वज का अध्ययन किया, जिसके बाद उन्होंने तिरंगे को डिजाइन किया था। वर्तमान में भारत के राष्ट्रीय ध्वज की ऊपरी पट्टी में केसरिया रंग है जो देश की शक्ति और साहस को दर्शाता है। बीच में स्थित सफेद पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का प्रतीक है। निचली हरी पट्टी हरियाली, उर्वरता, वृद्धि और भूमि की पवित्रता को दर्शाती है।2002 से पहले, भारत की आम जनता के लोग केवल गिने चुने राष्ट्रीय त्योहारों को छोड़ सार्वजनिक रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहरा नहीं सकते थे। लेकिन एक याचिका पर 26 जनवरी 2002 को भारतीय ध्वज संहिता में संशोधन किया गया और स्वतंत्रता के कई वर्ष बाद भारत के नागरिकों को अपने घरों, कार्यालयों और फैक्टरी में न केवल राष्ट्रीय दिवसों पर, बल्कि किसी भी दिन बिना किसी रुकावट के फहराने की अनुमति मिल गई।आजादी से पहले 7 अगस्त 1906 को पारसी बागान चौक, कोलकत्ता में पहला ध्वज फहराया गया था, जिसे उस समय क्रांतिकारियों ने राष्ट्रीय ध्वज की संज्ञा दी थी। इस ध्वज में हरे, पीले और लाल रंग की पट्टियां थी। हरे रंग की पट्टी पर जहां कमल का फूल था, वहीं बीच में पीले रंग पर वंदेमातरम व लाल रंग पर चांद-सूरज बने थे।

जयंती विशेष 22 जुलाई

मुकेश चन्द्र माथुर *Mukesh Chand Mathur*, पूरा नाम: 'मुकेश चन्द्र माथुर', जन्म- 22 जुलाई, 1923, दिल्ली; मृत्यु- 27 अगस्त, 1976) भारत में संगीत इतिहास के सर्वश्रेष्ठ गायकों में से एक थे। पेशे से एक इन्जीनियर के घर में पैदा होने वाले मुकेश चन्द माथुर के अन्दर वह सलाहियत थी कि वह एक अच्छे गायक बनकर उभरें, और हुआ भी यही। कुदरत ने उनके अंदर जो काबलियत दी थी, वह लोगों के सामने आई और मुकेश की आवाज़ का जादू पूरी दुनिया के सिर चढ़ कर बोला।

टेस्ट में बॉल बदलने के नियम

सवाल-1: टेस्ट क्रिकेट में बॉल किन-किन परिस्थितियों में बदली जा सकती है?

टेस्ट क्रिकेट में 4 परिस्थितियों में गेंद को बदला जा सकता है।

- **गुम जाए:** अगर किसी शॉट से बॉल गुम जाए। बॉल स्टेडियम के बाहर चली जाती है।
- **खराब हो:** खराब होने पर गेंद को बदला जा सकता है। जैसे- गेंद की सीम कट जाए, सिलाई खुल जाए या फिर लेदर फट जाए।
- **शेप बदल जाए:** यदि बॉल का डीशेप हो गई है, तो इसे बदला जा सकता है। फिर चाहे बॉल का साइज बढ़ा हो या फिर छोड़ा।
- **बॉल टैम्परिंग:** अगर फील्ड अंपायर को लगता है कि गेंद के साथ छेड़छोड़ की गई है, तो अंपायर बॉल को बदल सकता है।

बॉल टैम्परिंग के मामले में अगर अंपायर गेंद खराब करने वाले फील्डर को पहचान ले, तो रिप्लेसमेंट बॉल का चयन पिच पर खेल रहे बल्लेबाज करते हैं। इसमें विपक्षी टीम को 5 रन पेनल्टी के रूप में मिलते हैं।

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 22.07.2025

पारंपरिक शिक्षण विधि

पारंपरिक शिक्षण विधि, जिसे शिक्षक-केंद्रित विधि भी कहा जाता है, एक ऐसी शिक्षण पद्धति है जिसमें शिक्षक कक्षा में मुख्य भूमिका निभाता है. इस विधि में, शिक्षक ज्ञान का प्राथमिक स्रोत होता है और पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धति, और शिक्षण वातावरण को नियंत्रित करता है. पारंपरिक शिक्षण में, शिक्षक व्याख्यान, प्रदर्शन, या अन्य तरीकों से छात्रों को जानकारी प्रदान करता है. छात्र आमतौर पर निष्क्रिय श्रोता होते हैं, जो शिक्षक से प्राप्त जानकारी को सुनते और लिखते हैं।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

सिंगापुर में जंगलों की रक्षा के लिए मेट्रो सुरंगें इतनी गहराई में बनाई जा रही हैं, कि ऊपर के **पेड़-पौधों की जड़ों को भी कोई नुकसान** नहीं होता। **Cross Island Line** जैसी तकनीकें दिखाती हैं कि अगर सोच हो, तो **विकास और प्रकृति साथ** चल सकते हैं।

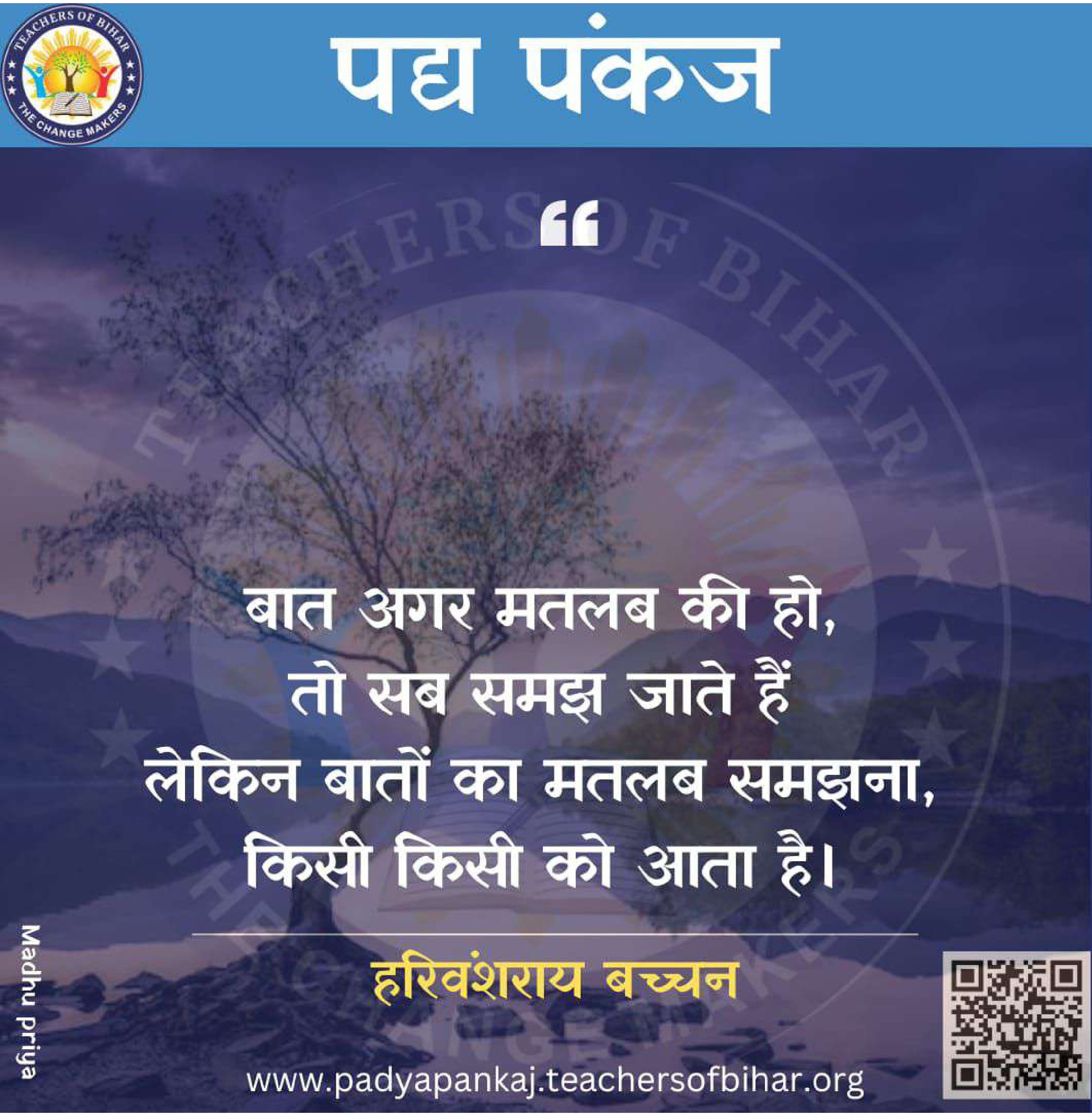
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
पद्य पंकज
"
बात अगर मतलब की हो,
तो सब समझ जाते हैं
लेकिन बातों का मतलब समझना,
किसी किसी को आता है।
हरिवंशराय बच्चन
Madhu priya
www.padyapankaj.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
फिल्मफेयर पुरस्कार एवं राष्ट्रीय
फिल्म पुरस्कार से सम्मानित
पार्श्व गायक
मुकेश चन्द्र माथुर
की जयंती पर सादर नमन।
22 जुलाई 1923-27 अगस्त 1976
www. teachersofbihar.org
Madhu priya

22 जुलाई
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
JAI
HIND
राष्ट्रीय झंडा अंगीकार दिवस
की सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
www.teachersofbihar.org
Madhu priya